









ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हस्ववक्षानुरवधुयहवविमगिरहस्तानुरकभनुरमभजामयिचक्रवादे  
पठमिपविह्वंगहस्तकाकाहनसंमज्जसंबडवन्दानरुहसविनं  
सागनंगावन्दवव्याहस्तहजगपागेनववडुहगवमंपमनृखश्वन  
समृषिवाजासंसनचक्रविनचनयमिसामिनासांमिथाममह  
तासाधियसपसादादिभटुनिजउरंखमिनानिषपंदकवयल  
सवयंसमहयमिसंकल्पनामनापकंकूपांगम्याधिपसंगिन



वसिष्ठिनमयस्तु नूतनसर्वकाव्यं ॥ ॐ नमो श्रीपद्मनृत्पद्मनाथ ॥  
॥ ॐ नमो श्रीवक्त्रसर्वनाथ ॥ आ ॥ धर्मधाराजिनहृदया नन्दका  
लिका ॥ का ॥ जगदाचार्यवाचन ॥ आ ॥ कमलासनरूपमिभिव  
र्धनधरा कलंकमलं ॥ का ॥ सहजानन्दकालिका ॥ आ ॥ निखिलं  
जिनहृदयाः सादमुदरा ॥ का ॥ नरकमंशुकमाला ॥ स्वाकजा ॥  
॥ यागा ॥ गन्धालि ॥ विश्वसनासुहृद्विषुविंवा २ माकाववियापि  
कसुसंलव ॥ ॐ ॥ नमामि ३ वागीश्वरसयनमूनिहृदया २ विना

विश्वसनासुहृद्विषुविंवा २



मध्यमपत्र ॥ ७

सथिकूटांगममनाह्न सयनजिनहृदया ॥ पीरुनीवावृक्षमि  
नवयनशंपंचजिनमकूतमनिनयन ॥ धर्मवक्रमूलाकूलिभस  
नामीश्वरक्षत्रापथिप्रभुवस्त्रनं ॥ सवासननमि नवयन  
शूनयिपत्रमादिवज्जिनगुहालयन ॥ ॥ ॥  
मध्यममहामधीकनकनाजिनपूर्वदिदहनकंवृद्धिपंश्रूपन  
गमजायनिउरुनकूतवक्रपंचवर्षपंचजिनवापियात्र ॥ ॥  
नमपत्रकवृद्धविश्वजिह्वविश्वहिमश्वरुतपत्रकमूर्तिश्रु







मणिनीला ॥ ३ ॥

कामुगवसपक्वसाविपूजिता ॥ ३ ॥ उक्तदविवालिनायाविपुवन  
वीनाश्विनभवापकसमयाज्ञानन्द ॥ विलंबविबन्धविमहजानन्द  
२ कलंकमलामनहृदयानन्द ॥ ३ ॥ पक्ववृक्षपक्वस्वधमनू २ दवा  
सूदननप्रमूदिगहृदया ॥ ३ ॥ ओं श्रीः ह्रीं खं साधनकनिर्ग २ उमन  
घट्टाखानिविलमानन्द ॥ ३ ॥ नागप्रमंजु ३ ॥ अनिलमूननज  
लआरुवमाभमनूमधुलवकलायाश्वजपंजलसुनज्ञानसंपविरुनि  
मनूमधुलवकलाया ॥ ३ ॥ उमनूजनयिषागुन्यकनूधश्रीलिंग



४१. ह्रस्वञ्चयियाश्चञ्चानाहिआलिङ्गसम्बन्धञ्चयिया॥

॥ छे छि संविन विन श्वन सऊ हि १ गहि १ श्रूष्ट ममान १ श्रू नूह नः  
सर्व दव वऊ धा उ म द वी मित्रं मिय रुय न सं हा व ॥ ॥ छि दु वन उ  
मज कू वाय न रु ना ठा विरु वन उ मज कू वि ना वि ना १ छि नि दु वन न  
व ना न सं प्र सा नि न रु लिं ए ल उ य का का ना ॥ ॥ अहि नि सं स ग गु न  
वा न न उ ना ग न कू दि ए ग न ए व अ ए वा १ ऊ न म म न त्तर ए य व न्ध न  
कू दिं ए ग न रु य मा नू अ मिय सं हा व ॥ ॥ नाग नाट ॥ न कू व ध

नक्षत्रार्थः ॥३॥



नमः ॥ ७

प्रितिलायनसूद नि २ अष्टा के दम उऊ प्रह्वनन किवन ॥ ३ ॥ उ  
रुदवीवानूनिमाहासामकिदवी २ जगत्प्रमादिनमयनसूत्राणा  
॥ आगमवदपूर्वानवर्षान २ यागधर्मदिज्ञानू उपदेत् ॥ ४ ॥ य  
थर्वस्वन्नूपकहेतुम् २ स्यान्नजागिनिमाभ हवूवउहूनु ॥  
॥ सत्तगुनूवननसिर्गगन्धनिय्या २ रुनयिनिवाकवजसूत्रासूत्रपि  
॥ ॥ नाम ॥ १ ॥ नमः ॥ अका नूननूपधनू २ स्व रु विसलउ  
ताधनू ॥ ३ ॥ कनाहूहू २ कनाकहूहूहू ॥ ॥ ३ ॥ अलिङ्गनआ



गधवृश्वजघस्रमूडाधनू ॥ धवलसूतं घूनदहधनूशमनदस  
माहियचउमनू ॥ ॥ मायादहविनजंगुशमाहियकनूनसत्वम  
है ॥ ॥ नाग ॥ भू ॥ यमान ॥ छिवकनविमभिमधुलमाभ  
ः सिद्धिज्ञानन्दमूनगिधनाश्वजवावाहिशूलिंगशसम्बननानान  
मिमहाकाला ॥ ॥ भू ॥ गनाईहै ॥ ॥ नीलवर्णचउवकुपगिमख  
दिनकपनमाज्ञानन्दमूनगिधनाश्विधवजजूर्ध्वचउजगामकू  
टधनिहाउशूरननसूसाहिता ॥ ॥ वज्रघस्रगजचर्मउमनू



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

स्वत्वांग विनमाज्ञानन्दमूर्तिवन्नाश्कनतिकपालपन्नमुपाशङ्  
मिशुलवक्त्रमिश्रं धना व्याघ्रवर्मकर्त्तृवर्हिता ॥ ॥ दिगं विगका  
कास्यादियमहाकिनिदवी सहजाज्ञानन्दमूर्तिवन्नाश्नमामिश  
गोचकसंवना सगुनूचननज्ञानाधिना ॥ ॥ पंचम ॥ ॥  
लिंगवज्ञानवचविभक्तिविक्रदावयिर्ऽकान्तश्चादन्वयीश्चून्द्न  
यासाधिरुवनलिनापयिभयिजिनभक्तिविन्दूया ॥ ॥ ॥ पञ्चम  
नन्दमूर्तिनूयानिकाधायिमीमरुवजाश्चाज्ञाः हंश्चकाधायि



किंभीमंशुवजा॥ ॥ कूलिभकमल्ल संयागसहजा पवननगनंगस  
 लीनगामिश्रयमूरवगरुजत्रलमकूटकाविकृष्ट सीमाननदहिन  
 वाम॥ ॥ ॐ हूमधुलापनिवज पर्यंककूंकूमनूशकनूषकालि  
 नाश्वजश्वश्वसवदहिनकनवावि वामघाष्टत्यनवापवात्री॥  
 ॥ विचित्रवलाहनशविशुषिगरुलथिजूनकमनूकिवाविशसगग  
 नूचनशकमल्लप्रसादा नमामिपवनमनिवापदं॥ ॥ जग॥ रु  
 नवी॥ नित्मानानिचउषहिदन्सवानूह मध्यगगकादिवृगयाना

विद्यानादि॥१०



दन्वृषी २ समिन् प्रलितललितार्द्धगमिनि ननशालसूनापमजाल  
नृषी ॥ क ॥ ॐ नमामि देवी श्रीवज्रविनासिनि श्रीरुवहन्नकः खसम  
हन देवी २ आठियानपूर्धगिविकामनूपशी हगसूविमुद्धमधुलन  
खयनि ॥ ॥ वसूद्वनसना नूहवलधर्मचक्रं धाउमदलसंलगव  
कश्चाप्रिसगद्वनकमलमहासूखचक्रं हेकाननूपशी हनूकनाथं ॥  
॥ इहतिजिनविश्यादिशिवयानरुदनिश्रवयिमृगधानयनादनूपि  
२ पिठादिदमाहुमिगतसूगनपूजनीजिनहनशयनिविश्रम्भनि ॥



॥ ॥ दर्पणप्रतिविम्बजलजवंडापमञ्जुहिनिस्सिमननकवजद  
वीरजन्मजन्ममात्रुंरुपायभक्तद्वर्गादिनासनमात्रप्रदगा ॥

॥ ॥ याग ॥ कर्धदि ॥ खटयागिनीदेवी किरुवनवापिनिश्चिन्मा  
लक्ष्मदार्पणविनासिनि ॥ ॥ नमामिश्चदेवी श्रीवज्रवावाहीश्च  
सिद्धिदायनिजगज्जननी ॥ ॥ पूर्वद्वनगजनकवर्धकिश्चोभान  
यामिनिदेवीनीनवदनी ॥ ॥ वायूव्यमाहिनिदेवी श्रीगवर्धणेश्व  
श्चिमसंज्ञासिनिदेवीरगोन्नववर्धण ॥ ॥ नमस्तुभ्यं संज्ञासिनिदेवी हनी



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२

नवधा शरदहिनचष्टिका दवी क्रमवर्धनी ॥ ॥ वडुडुजयकानना  
पचमूडारुनसा २ स्वस्वविजसं एव नवनसदीगंभना ॥ ॥ वागा ॥  
रुत्रवि ॥ ॐ श्री हं हं हं श्री नं नय स्वाहा ॥ मन्त्र उच्चावननली २ पूजा पूजिफ पू  
ऊज्जुगवसस्वस्व नूप विरावन ॥ ॥ क ॥ २ खखरवाहिरवाहिवलि पूजाव  
घघघागय २ विघ्नहन २ पचमियनसपचरसावित्रपचरहन सर्वविना  
॥ ॥ सर्वजजनाजसरुगयगयपि ॥ वात्सादापस्मानन २ जकजकि  
नि हं हं श्री हं मसानं हं दं वलिगुं कुं ॥ ॥ दानपति सर्वकार्यत्व



मन्त्रोक्तः ॥ १२

या सर्वसूत्रसंप्रगिः ॥ नीज २ यत्थेवगत्येव दुर्जं दुपिवथ जिघ्रथमाः  
निकर्मथन ॥ ॥ समयावज्जुदानप्रगिनसर्वसिद्धिसंपदभाजि  
न २ ग्रासंसावनतथागतवदनसर्वसिद्धिसंपदवृद्धिः ॥ ॥ वाग  
ललिता ॥ अनुरूपमथगावंकावसंरावनत्तनूपविंनिगविचिंतु  
कलमं २ ओं ॥ १० ॥ काववज्जामुगमदकंसफसंसाधितरुनामन्मयं  
॥ ॥ ॥ वं ॥ अमृगनसवाधिहलदायकंसर्वजिनव्यापितसहजक  
लसं २ जगममलसंसागसून्यकनूलाहवसंसावननासनविनऊनू



र्य ॥ वज्रपवनमानुसयगाश्च वज्रसयूक्तं संखसंख्यमधिगप्य पि  
 पूर्यं २ हं फानमं यूपूष्य अगवक्षवज्रसंख्यपितविपाककलमं ॥ ॥  
 घटमखं नवसफ नूपराव. आरुष्ट मंदाकि निजल नूपं २ अटिगिमा  
 वावधदवगाचकं हनसत्वमानियह दिऊनहं ॥ पाशादिआव  
 मनदानपुनसुनसमयाचक प्रवसिताविमूदकलमं २ महावागडवि  
 ह्यवाधिविरु नूपसमयसत्वहनवकनकि हं ॥ ॥ नमो ॥  
 हाउ आरुन (ध) क्रियायि नमस्व नवनयिकं वा न ॥



[illegible]



विहंगम ॥ १२ ॥ विहंगम ॥ १२ ॥

लिंणालमधुलसम्मलवज्जवागहि  
यापयिआगीनिदहकवावि२ कमलकूलिसयसकनहैनजिवयि॥  
क॥ यागीनिदुक्कविनूखनहैनजिव॥ २ तावामहवूवियात्रकम  
लसंपिवयि॥ अयहं यागिनीनपनजाय२ मनिक्कववहियात्रउ  
दियात्रहमान॥ ममहयत्रवात्रकवियतात्र२ दउसूर्यद्रयिपकुल  
हवाह॥ एनयीरगात्रहमकुन्दनवीया२ ननयनाविमात्रउर  
यनउवीया॥ विविहंविहन्नलमावववि



मभीवदनश्चदवाञ्जलननवशुवनहडुकनूना॥ कृ **॥** नाचवनमा  
 मिथीसम्भवविनाश्वजयागिनीलगिनमालसहजगृगमा॥ **॥**  
 वजवावाहिञ्जालिंगनकाष्टश्चुडिसम्मीनविलेखलसमन्वसंभवति  
**॥** **॥** रामकूदहन्विम्बूमासमूरुजर्केशकनूदालूनलायनविखन  
**॥** **॥** द्वादभशुजधविवालिचउवदनश्नीलसहावगगानहडुलि  
 ना॥ **॥** वागा॥ **॥** चिदंकावभूवनिनिहिगवामजानूखकृफिबनमा  
 लसञ्जसाश्वागधवमाहवन्विनयाभा॥ चिदुवनवायाभूक्लवि



ना॥ ॐ ॥ नमामि श्रीवद्भुमहावाचसाङ्गागमस्यैव कृदिगाश्वि  
श्वनाथविश्वनाथिकविनंविश्वमहाकाधवाया॥ ॥ श्रीगिरिखना  
गाउर्ध्वप्रवत्तुदंष्ट्राकनायविश्वकिन्नाशपीजीनश्रुवार्ककल  
नयनावनि संशसावारवद्रसनना॥ ॥ माधवमायापूर्वद्वनव  
बुद्धिपिभवापादवरुननाशसमनसमायावागविभाहारुनलायापुन  
समाहिकदहा॥ ॥ नत्वरुनक्षपकालिकमोलिकयूननोपुननूरा  
मूनकावाशसूननननागावन्दिकवनक्षवायसूनश्वनश्रुवलवीवा



श्रवनिनिहिगजानूनीलसमदहा २ क क  
१२ अथवा २

॥ वागा ॥ श्रवनिनिहिगजानूनीलसमदहा २ क क  
लखिनयनी ही घम घम वदना ॥ कु गना रूं रूं गना रूं रूं : रूं रूं  
जाग श्रवल का धनाया ॥ निविधिगघनयूति साहिगम रूं रूं  
मख झ धा निधि रुवन नाथ ॥ ॥ रुनिह नवु का रूं नु वा मा ना शमा  
नविघ्नदु गि म क रुय रुन भा ॥ ॥ विविधिगनल मो विलं रुग दहा  
२ जगम विवाद्धि गवन रुल दाय कं ॥ ॥ वागा ॥ ये च ॥ अयं वा ॥  
लि रुनु अघन ही शसयल सूना सून जगम उका नी ॥ ॥ क ॥ न ह रुग व

लि



लि॥ १६

भूगणेश ॥ २०

गिपा हूक मलमहिम सुलनो पूव नृ धं मूनं काना २ ह उम मान आरुन  
धं विरुषि क मख लघ घ उला नाः विनि विनि विनि धयं गि विनि नय ना ॥  
क न गि य त्या ना शी व नू ड न ल मिल मा ला २ कूं धि ख शं ग व न म कू ग  
क म ॥ ॥ गिन स सिंधून क ऊ न रु ला २ क मु वि क न पू न गो वाल सूर ख  
सा व ॥ ॥ रु न यि सून क व ऊ वा रु वि द सा २ श्री व ऊ दे वी य सा द श्री ह नू व या  
या ॥ ॥ न ॥ ॥ व सं ॥ ॥ भू क सि कू मू म भू मि दे ह प्र ल ख ना २ वि वि वि नि नः  
त्व म हि म कू क वि रू षि क ॥ ॥ ध ॥ ना व यि व श्री व ल वि ना २ क ना व उ म्ना



नन्दविनासयिञ्चला ॥ ॥ वामउरुवविभूमिडादर्सना १ प्रहृष्टाति  
गमञ्चयमहासूहं ॥ ॥ विनागवन्दुमिहवहयंकना १ मयनिहतव  
द्रुतर्कनिषाभा ॥ ॥ मालवउवदर्यनिधिलविघ्नहना १ नविभसिभूम  
लक्षगगहविनाभयि ॥ ॥ वायव्यक ॥ ॥ हंकावसंजात ॥ ॥ दुनील  
समभूमिदहा १ प्राकालकलनसमभूमिकालाकलनसमाकूला ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
यंउञ्चलभूतगमभूमिखड्गपाभकवधावि १ जगगनाथजगकपालिम  
महाकाधलाया ॥ ॥ भूदनिनिहिकवानजानूधानवदनदिनिलाचना १



ॐ कान का गा ॥ २२

ककवा ऊरुवरुयंकन अखिन विघ्न विरुक्ता ॥ ॥ वृक्क हनिहन मघप  
नासनदप्यं दरुनसु विना २ ड सु निपो जिगधवन मयकिन क्षविषरुक्ता ॥  
॥ विविधिनल्ल आरुनश विरुषि कदि यनल्लसु भालि २ अगन वा छिगस  
वत्तंपरिसिद्धि वल्लरुलदायकं ॥ ॥ नायि ॥ नायि ॥ ॥ कान का  
गमुल्ल देहा २ दि रु अच कास्य थिनजा ॥ ॥ ॥ कनारुंरुं कनारुंरुं ॥ ॥ वकि  
कृशुल कसि सा २ नूतक के यून वक्क सु ॥ ॥ मखल ना यून पायल २  
घा घन रुस वा घवर्मा ॥ ॥ ऊगा मकूट विवव २ गुक्क मधु अर्द्ध वड्ड



कं ॥ सवकववज्जवामघश २ रुववकालिञ्जु विंठपदं ॥ ॥  
 ॥ जय श्री विरूजसम्बल विरुवन व्यापिना २ मच्चि सिद्धि महामूडा  
 सिद्धि ॥ ॥ वागा ॥ कामा ॥ पुकालिगह कान्नारावमन्त्रुमि ००३  
 नीलसमयुगिदहा २ विश्वावजस्त्रिगिष्टि कन संवत्तमकटकाठा  
 धियं ॥ ॥ नमामिथाचन्द्रविवरुवाधिसिंधूगकननं २ विश्वनाथ  
 विरुवन व्यापिनाः वदनिधंस्तनकनं ॥ ॥ अनकजानूस्त्रिगधि  
 रुवनवीनः सव एषुरवकननं २ वामगर्जनिरुदियाभधना रुवानि



ॐ विष्णु सं ग व ॥ १२४

शसनवभनकवधं ॥ नानावलाहवनोपूनंकरिंमखलरुखितद  
हा २३५५ कवानरीषमवदनादिरुवनलायापुनमुवीना ॥ वीना  
विपकिसर्वरुयहननं प्रगपिभावादिमांगनमनसा २३५५ ननययजादि  
वंदिगपादंसर्वसिद्धिमाकुरुलदं ॥ ॥ वागयासा ॥ ॥ विजसंर  
वरुसमदहानवनसदाकिंसगलजधधवा २३५५ दभरुजवदवदना ॥  
मासुवसुवनकनशा ॥ ॥ नमामि श्रीचिचकं धनंमालरुयएव  
रुयहवशं ॥ ॥ वडुविंमिपी १० धनं रुचिसंवीनवीनधवाश्वकु



वक्रि फलुला ॥ २३ ॥

कपनिवृणादवीसंपूटप्रकाशिकरिङ्गा ॥ प्रहसंपूटआलिकालि  
प्रसक्तानाश्रुमिसंरुवाश्चादभदेवीचकणवानमामिथीचक्रसम्बन्धा  
॥ ॥ सगगुनूचनरक्षसीवगगमभयारुनं०गीमथीकूलिसाश्चानप  
निबमनाहर्षसंयममुलभूनाधिगा ॥ ॥ यथावदुयि ॥ चक्रिकुधु  
लकष्टीचाचकभारवत्तलरुचिगयीवनूडननभिलमालाश्चिल्लप  
चक्रिचक्रिचयिथारुमाविरुचिगगगेशकणादिवन्धुनिवाया ॥  
॥ ॥ ॥ प्रहसंथीहनुडादमानूकालायाशरणनाथथीसम्बन्धा



वामपत्रेन ॥ २७

या ॥ **॥** वज्रकटाकहाथनववीयाकल्ल क्रियाउखडांगशहं  
पूकयागिनीकमलविहभं गालमहासखमविप्रसाद ॥ **॥** व  
ज्रवावाहिआलिंगधसंवन्ननावयिवरुविहलहं गश्वाकुलि  
कालिनयादिदं किहनुगमूद्युवसू नक्षप्रसाद ॥ **॥** सहगं  
वृहिनयागमअंति कर्षयायीहनुववनक्षप्रसाद ॥ **॥** प्रहजालिंग  
क्षकीदकिहनुवविनासयिसून्यकनुक्ष ॥ **॥** **॥** वागमय  
**॥** वामपत्रेनववनदहिनकनकि ॥ **॥** पायननोपून्ननुडमालसंनु



ग ॥ ॐ ॥ देवीनाचयिञ्चकजगिवज्जागिनी २ छिनिनदवीयिदु  
 वनपयिस ॥ ॥ कालसूत्र इद्विपाएभनवन्विने २ नागद्वयभाहक  
 हिन्दुदिका ॥ ॥ हूलसूत्रा देवीनिबंजनदस २ सून्यपाउदवीभूय  
 साहाव ॥ ॥ अष्टिसंहावदवीकनूशकदवी २ भाऊमागर्नदवी ॥  
 वीरुजननी ॥ ॥ नाग ॥ वसंठ ॥ जिनवलजननीप्रणस्वनमन्य  
 रविनासयिसमनसदन्दाङ्गलिंगक्ष ॥ ॐ ॥ निबंसहसूनायथी  
 घानहसंपूयशगाधोङ्गलिंगननूनेदनयना ॥ ॥ वापसंहागभय

सुखियमयनेश्वागविवागह०माअनिरवर्ना॥ ॥ मू०कू०लि०स०



५२॥१॥

लघ्वियमयनश्चागविवागश्चमाभनिखर्ना॥ ॥ मूककुलिसं  
आगरिसखनाश्चननवपसखनद्वन्माभलिंगश्च॥ ॥ दहदिशुव  
नयीआगांवनाश्चपक्षमामिह्नयस्वविआलिंगश्च॥ ॥ वाविह  
सा॥ उदिगागनयिषापवनहृष्टानश्चवलसूहदामककासुनविना॥ ॥ क  
द्यावहृष्टानहृवाधिसंवलिंगाश्चसूखयनिबंजनमाकुलंकृता॥ ॥ दि  
नकनसंशुलमध्वगताश्चकनूधमगनसमभवकनंकृता॥ ॥ दग्ध  
आलिगनरुयप्रतिनिहंताश्चदेवास्वननवसिल्यमिगा॥ ॥ गव



कि उ उ न क म र व ॥ २८

कि पवनपथिगुनरुक्ताश्वजवावाहि उंरुसिलनमिना ॥  
**आगविहारा ॥** दि उ उ न क म र व न क व द न न श न ग न म क ट क म वि  
निलाचन ॥ **ॐ ॥** नमो देवी वूध ज कि नी वि श्व ज ने नी श दि उ  
वन व्यापि ग कि न रू न दाय नि ॥ **॥** द हिन क न व ज वि वा सि ना  
दग्ध गि श्वा म क वा ट क व उ मा न पि व यि ॥ **॥** क नू नि म धु ल  
मा अ उ अ ठि यान ग म न श न ल पू न व न न ग गं य व मि ना ॥ **॥** श्री  
वि श्या ध नि द वा स न न न म हि ना श स क ल म धि सि धि द हि म मा गा

ॐ

॥ **ॐ नमो देवी वूध ज कि नी वि श्व ज ने नी श दि उ**



सकल ॥३०

[illegible]



वधूवकानकमानेशखच्छांगुडमनूयीवननमिलमाला ॥ ॥ ॥  
 कूलस्थानिनंजनश्रुकूलविहनाश्रुनूलवधनसयानविमुखा ॥  
 ॥ करुवावहउवजकरुवाववीचाश्रुवधूवकानगकि सह  
 मनयडा ॥ ॥ हलरुहलरुहमयमवसखवृद्धाश्रिनिडु  
 वननाथप्रकृसम्यववाया ॥ ॥ यागा ॥ मानुशी ॥ वज्रयागि  
 नीहनूअवायाश्रिडुवननाथदहिमप्रान ॥ ॥ ॥ पिवळू ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२

महानसमहासूखजवियाश्चकदवीरुल्ल००० अनूरुवक्षन॥  
॥ उच्चनाविष्टिदलकमलसंयारगश्चहीवीनासयिपवनसंरु  
विया॥ ॥ कुंज०० लयक महानसूखजवियाश्चकभीलसवि  
जवानूरुक्ष॥ ॥ समगुनूपसादचउर्ध्वालीषकंश्चाक्षवीसंमान  
समूडा॥ ॥ अग्निरुववा॥ अयंश्वाचुविमयनसूखसुवी  
अव्ययव्यसंयानशी॥ ॥ कुं ॥ नृसंमृदंमूरुहाश्चहंरुंरुकावना



निर्जं तु व॥ २२

वयिमाननिनवानूव॥

ननीनूपवजयागिनी॥

नमिकपात्रवद्वंगवनि॥

नूदननसिलमाता॥

मिअूवयवाहूलि॥

वहूवववायाश्चोहमगमनयागिनीपयिस॥

॥ जिमपनयानदरूपूनर्क२जिनजं

॥ जयं२रुअरुवसम् (आरु२कः

॥ जयं२रुअरुममानरु२नशीव

॥ जयं२रुअरुहंजगमसंसात्र२प्रधमाः

॥ वाग॥ मानव॥ निर्जं तु वनअवधू

॥ क॥ अनन्दा



दिदवाळुविश्रूनन्नादिदवाश्पनिनाचयिहवूवमनसासंपूर्ण॥

॥ पूष्कमिताहिहववूनिगकूलहवूवश्सवल्लिभूनफापिवयि  
संताप॥ ॥ धीउाडियानकलयिवडाश्गीरभूनकाकिउंकिवा

ऊर्कि॥ ॥ अलिकालिहूयिपादधवर्नश्कीउंकिमलकूलि

सवाऊर्क॥ ॥ पयिसयिअम्विनिगूद्वयसंयासाश्चवउयागिनी

मंगलगीत॥ ॥ घसलीघात्रीचोत्रीवगात्रीश्लेपनवउसम

हवूववाला॥ ॥ वजिघानिवतानिवयुविद



सर्वोक्तानाम् ॥ १२५

वीरसिंघनिवाधिनिजम्बूक उलाकिनी ॥ ३८ ॥ नमामि आया  
गाम्बवयिरुनन्धवीया २ किनीनयदवीविद्वनपयिस ॥ ॥ पू  
र्वउरुनपक्तिमदकिनदिगंदवी २ जकिनिद्विपिनिवउसिकवा  
ऊन ॥ ॥ वउनदिगंरुमरुनमउदवी २ यिनिनमदवीनावकीद  
वी ॥ ॥ रुनिहववक्र ०० उअसुनगरुध २ धादमदवीसमवसंरुव  
॥ ॥ ॥ राग ॥ धनाथी ॥ सर्वोक्तानाम् हाहुरवकुवियावउअन  
रुहुरविद्वनहलयिमहासुरवलायावउसूर्यइयिमनिया ॥



ॐ नपापविना नू पूर्णं विना. छिरुवन नू खनू पिनी २ सर्वविकल्प  
विधं भनिद विभू नू रु नू न वलदाय नि ॥ ॥ भूमिना मू मधुल उ  
दया नू कि थि क ल्या न नू मि व नू यं धनी २ क नू कि क णाल र व धां ग धा वि ष  
ह ह न व ल दाय नि ॥ दिगं व न म कू ट क सि व डि कू धु ल क सि धा नि  
२ वा च क म र व ल पा य ल धा नि गी व नू ड न व सि ल मा ला ॥ ॥ सर्व  
था ग न ऊ न नि द वी. वि न हि ग ण व नू ल वा २ धी व या गि नी व न ध मि यं ग  
न म व कि स म न स व आ ॥ ॥ ॥ ॥ छि द ल क म न व ध २



सूक्तस्य नमो गमय कवचं वीनां शशी विनूपा ऊर्ध्वगमूखद्वी. म  
दनपालय वापिना ॥ ॐ ॥ नमामिने वासा विभुवनमा गावकुला  
द्वी श्रीमृगथालि २ सयलसूना सूत्रवन्दि कवच ॥ अन्नगममिद्विमिद्विव  
लपसादा ॥ ॥ नन्दनवनामिव चन्दनमवूव अन्नगकूटमपाविजा  
कवन २ निर्यगं गममवागममिती न अन्नगमिथसू ऊर्ध्ववन ॥ ॥ अ  
हरेव वसूहया गिनिद्वी अन्नगदवा सूत्र ऊर्ध्वपाल २ अहमहारय २  
विगनि वानूव अन्नगविघ्ननिववावूव ॥ ॥ विश्वविद्यापि कमानूनि



मधुविपु॥२॥

हवीः सुखयनिनंजनमागिमयश्च सुहृमनः सुखहृलदायनिदवीज  
नाजन्मकुंशपायभवनम् ॥ ॥ नाग ॥ विसृक्त ॥ मधुविपुषिपूला  
इयिनीकुंशालाश्चकलदवगदावदिगपादं ॥ ॥ क ॥ मेकिअदिवृज  
धामंशुकूमावाश्च सुहृवदिगपमनः सुखम् ॥ ॥ कुंकूमचूचिनास  
वचित्रविषमाश्च मुन्यागमिन्वकचूषाविहावा ॥ ॥ विखयविखम  
कूगपाचंगमनसाश्च विश्वविद्यापित्ताधीयंगुबुखयं ॥ ॥ सगु  
चूपनमाविन्दुसूत्राश्च शगावन्निगवशीकप्रधवकूलिम् ॥ ॥



नमो भगवते ॥ ३८

३८ ॥ ३८ ॥ ३८

नाग ॥ म ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥  
सर्वधनूषावि ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥  
सोपविपूविनउधविना ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥  
न ॥ भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥  
व्यापिना ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥  
दिनदासरुनयिया ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥  
नाग ॥ नामकवि ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥



जिनवचनमनगति॥३०

नू॥ क॥ हवजउक्तगनाहं२गनाहं ननागतहं हं हं॥ ॥सूचन  
ननवंदितचनमवनू२कूमविलपनदहधनू॥ ॥एवविमूक  
विअघगुनकूतायि२नमाहंनमाहं श्रीहवजउक्तगुप्तप्रययि॥  
॥आगनामकवि॥ जिनवचननयनिउवन श्रीकापातकनिर्वास  
मिजिनवचनमूनिना२नपालमधुलमाअममिहमकिचरधजगगन  
थमूरयदाता॥ क॥ जिआगतिगभियाअमूवतायया नप्रक्षमामि  
वूगमल्लाकान्वदव२सिद्धायागिवन्धूरूपविक्रमात्ताया एव



उत्तमगुणेश्वर

नयनिवृणामधिनवन्ददवं॥ ॥ नाष्टिकमलविकासितनाधिया  
नवामकमलधनवृणथ २ उक्तसूत्रमनकयागकूष्टदानिड्डः खर  
यह्नता॥ ॥ रुरुरगवतिकायाह ॥ केनमामिथीवृणमल  
लाकेश्वनदवं २ नमामि २ थीनवन्दमलदवस्वर्गमध्वपाकाल  
दवं॥ ॥ दमउमिद्वारिभगलकृशलायाशूनूरुमिलगगवन  
ना २ थीममिताहमिपंरुगधनियाथीलाकेश्वनहनम॥  
नागा॥ गुणलि॥ उत्तमगुणेश्वरथीननूसाह २ उनीलशूनिपि



मलकमा॥ कु॥ जगन्मूलकं पद्मपाशुददीशहृष्टमालविघ्नना  
 मनीदवी॥ ॥ नक्तनयनकिनिनूडमालाशखककवटिकपालः  
 निलात्यल॥ ॥ बाधवर्मवम्पुण्यालिहाशखर्वलम्भादनसर्वा  
 कान्ता॥ ॥ ववधमनसगीउग्रमानूशिमागाशहनयिजुमाधव  
 ऊचविगा॥ ॥ वागा॥ गंधाहेनवि॥ विष्णुवनजालीनमन्त्रमिश्र  
 नूलायनविनयवकि॥ कु॥ नाचयिवजसत्त्वपनमश्चननीन  
 वकि॥ ॥ वस्मिस्तस्यकिननदगसूर्यास्तस्यवकि॥ ॥ वरु



प्रमृदिग॥४३

विह्वूपवविभमिअनूनायनसुखवनि॥ ॥गंगा॥मधु॥  
॥॥प्रमृदिगदिदसुखमिसुंदविमनमन्मधुनसुखिगलयना  
श्चादमयुजुवउवदनसुखिगावजवावाहिकं॥॥आलिंग  
ना॥ ॥हूँहूँहूँदहदिहसुवनमालसयलसंवाधियानश्चंद  
आलिंगनअधयसंरावनावधिदानभीसम्बनवाया॥ ॥कूलि  
सुघंछगजवर्मप्रिअनाफनदिदमन्सुखसुखिगाश्मर्जपूलि  
नकापालरवलोलायाअपनसुखप्रसिल्यंधवा॥ ॥पञ्चजिन



सूक्तनिर्वाणम् ॥ ४४

वनमकूटशूलं कृताखदमडाश्रुवनविहृषिता २ शूलिकाः  
लिहूँ शूलिंधवापयि व्याधुवर्मनिर्वासनकृष्टं गन ॥ ॥ न  
वसिन्मालालवभीसम्बन्धदिव्यवक्त्रिनिफनूनहियावैश्चन्म  
जन्ममानूडंरुपायसवसागवन्किपन्मादिवजगीता ॥ ॥  
वागा ॥ मलिनि ॥ सूक्तनिर्वाणं नपन्मपुः सूक्तमायासं एतश्च  
वह्वियसं हावकाः नानासिद्धयोजाम् ॥ ॥ नउरुवनउनिर्वाण  
गहि प्रहं सामहासुहवज २ आणव ०० मनएव ०० सापन्सहयि



अथ यानि लोकाः ॥ ४५ ॥

कर्क ०० ॥ ॥ अथ नमः कृदिवर्ज्याः नारायणं विन्दन् विन्दन् ॥  
हं सा पद्ममहासहानाहदिनचिरु ॥ ॥ जिमपदविन्दमंराव  
जाः किमिहावयिमनराव २ सून्यनिबंजनपवमपुत्रु नान ०० प  
धनपाजा ॥ ॥ जिमजलमायवडसहि नासा कृनमि कृ २ मि  
मिसामभुलवकजा मनयमंरावजासव कृयि ॥ ॥ वाग ॥ वि  
वद ॥ अथ यानि लोकाः ॥ अथ नमः कृदिवर्ज्याः नारायणं विन्दन् विन्दन् ॥  
अथ यानि लोकाः ॥ अथ नमः कृदिवर्ज्याः नारायणं विन्दन् विन्दन् ॥ ॥ ॥



नमामि निलालम् नीलज्वरस्य गवहं उहलनसंप्रापिना २ सह  
ज्वरस्य समर्गजप्रकासिगजलज्वरस्य समवापिना ॥ ॥ खड्ग  
गाम्बवसाविश्वकवर्हिभवूमह्युलएवविना २ निर्मलहृदया  
वचकवजपिगंजुहिनीसिज्वरजकमयसाधना ॥ ॥ अनन्द  
पत्रमानन्दविनसाहजाचडुवानन्दमयसंरुवा २ पत्रसावित्रसा  
अनन्ददिशमहासूखसूगगसंपदवलप्रापिना ॥ ॥ हवजका  
लवजुगीचकसम्बवजूनककातिमि सापानंगगा २ श्रीहन्ताडि



यानपूणीविजानधनपुत्रमहासूरवजानहं॥

॥ वाग॥

वि॥ गऊजिनउधवहारथधविद्याकमलकुविसमूर्धवावि२३

मनूकनमिक्थालकिभूलवामरवद्योगकपालमूर्धना॥ अ॥ श्री

सम्बन्धायावाकूलिउक्तं गुविज्ञा२मानयिवचापयियात्रवमाया

सासूरवकुमूडासिद्धिना॥

॥ पा॥ द्व॥ मू॥ उ॥ वाममहारथधवि

याउनवसिलमाला२नीलहवितलाहिकनकारवचउमूरवज

दिविकनलमूर्धना॥

॥ श्रीविदुषयाहेनवचापयियात्रकालि



नाष्टिविष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः  
 उमडा ॥ ॥ विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः  
 वाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः  
 ॥ ॥ विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः  
 मानवसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः  
 यः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः  
 विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः विष्णुसूडाः



दक्षिणवर्तुवनविघ्नमात्रविघ्नखण्डित्याने २ अकिनीद्विपिनीः  
 वडसिकंवाजनिधानवत्तनसंज्ञासवदनि ॥ ॥ सिंधिनि व्याधि  
 नीजम्बुकउलाकिनीखडा जयेन मूर्जं कूभाहम् २ वज्रजाकिनीया  
 नवतावजकिनीवधुलजकिनीचहुनदवी ॥ जिनजननीद  
 वीजफोनीहुं रुपायमनस्तपके मूजाह्वनमविरुविता २ खड्ग  
 मकवज्रयष्टखडांगपाउपनमश्चनहनदवी ॥ ॥ वाण  
कलश श्रीहनुमानेनात्मादवीडिहुवननाथ २ पंचजिनयापि



तपचवर्धदहा ॥ कृ नमामिश्रणपूङ्गववेद्या २ हनुकथीगु  
 कश्चित्रिवज्रजागिनिभूयता ॥ पूर्वदिगंस्मि तरुववनिववर्ध  
 २ दहिनपायकावि. वामवीन्दुयवा ॥ घस्मन्निचोनिथागिः  
 नीदवीशगाङ्गीनिगावजहं कानसंवजा ॥ ॥ वागवर्ध  
 पंचकपायाकाविनमालिपयः कृ नपयः मूडारुनंश २ ननमिल  
 मालागिवा ॥ रावाद्यवर्मकरिं दुषधवदना ॥ कृ ॥ हं हं हं  
 कानसंजागवदना २ घर्जनमादननीनसमदे ॥ काटाविपथी



महाकानाशपक्षमृगनसदप्येतरुनयियाहायनवक्रकपालध  
वा॥ ॥ नक्रमणावाजिनिनयनाघानरयंकनरीधमवदनाश  
उद्यप्यकलितार्पिंगलकमउन्नमनरुहाकेनूधामय॥ ॥ क  
नतिकयावाधानिनखधोगमनागवल्लयनागकुम्भुलहावाशनाग  
सिन्धुसिद्धानोपूवनागमशूनागमरुननससाहा॥ ॥ जिनवन  
माविधानिनमद्यावूधमसनमानककवांवाशपूनानूशगानेवर  
वांमश्वगकुलिमाशूनूरुनेसनना॥ ॥ जग॥ धना॥ गज



गङ्गा मूर्त्त्यु॥ ३०

मूर्त्त्यु निनयनिगांठवपदवननिखाविपतिगारक्षम्वनाश्मक्षिम्  
कावत्ताएवक्षानूहीकिननसंकासिगा॥ ३१ ॥ मानियावि  
प्रमानियादर्पमानियाइःखविनासनंश्मानियामानामाल  
संक्रासामद्रूपमइःखनासिगा॥ ३२ ॥ वनसूयानाकूभवज  
खद्रुहिधुनपावदहिनकनाश्मभलधनूखवागखपव  
कननिकवाभ॥ ३३ ॥ विचिञ्चवककचूककिंवभाजगारुकम  
क्षिमधुनाश्नम्वादलनलधुनलम्वादवशाणपायलसिचि



विश्वरूप॥

मित्रीवाजक  
गत्वा गवदमनला कालिना मुखकमूरवः  
श्रुति संदनां शदिना दत्वा गमसुखदाता नमामु नमामु गनाधिपति  
॥ ~~॥~~ **॥ सावली ॥** विखयविखयविनूपवनसंथागयालयिच  
दायनीनारिकमल २ दहयिजिनविभू भगिभल यिसूनगवजः  
छिनिश्रुतासमय भ्यामसयलं ॥ **॥** नममंशुधावेकालचक  
हवजसमलविभू नूपं २ पयिपश्मसंथागसंरुवनीनासहजाः  
आनन्दमयहननूपं ॥ **॥** वजपयो कसगगकृमनूनगनूना



मसगीमिश्रुकायधानं२जगमः३खनासनवाधिरुलदायकं३  
गधर्ममानूखवहियं॥ ॥ गुनूवाय॥ दृढवनीयाश्रुदपवन  
कूंचयमहिमकूटवन्त्रउगादधनिया२चउचकपाठमनिनप  
वम श्वजसूर्यरुममानूवायाहखनं॥ ॥ स्वप्रमायासदृसं  
एवपनिगवनावूद्धधर्मासंघसननागमिय२गुनूवनशसिल्यं  
धनियागावक्तिस्नकवज्जन्मजन्ममानूवूद्धमनशं॥ ॥  
गुरुसम्बग१००६ मि. आवशकस्त्र१बुद्धवानमलिषीमाथाहिः



मितालकायवाहालसविश्याकम्बजावाजनत्त्वकमानन्दनःन  
आद्यलतालसर्वपनालिःमहानगनःसांगिधममहाथानःन  
त्वमद्युलमाहाविहानःवशिष्टमावकहिन्दुःचकविनयाथान  
वाञ्छुश्याआयआमकावशसवचासहृदयकाशल्लगुरुमगल  
हृदय

2874



म ध मे र — १  
 यो क द ह — २  
 आ ज र — ३  
 न का व र न — ४  
 न मो ह — ५  
 रि व क, — ६  
~~र~~ ..  
 ता ज आ न र न —

MS. A. 1. 1. 1. 1. 1. 1.



